पी.जी. डिप्लोमा पौरोहित्य कर्म– 2023 –24
अवधि – एक वर्ष

प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर

न्यूनतम योग्यताः– स्नातक (उच्च माध्यमिक अथवा स्नातक स्तर पर **संस्कृत** विषय अनिवार्य)

नोटः– इस परीक्षा में प्रथम सत्र में पॉच प्रश्न–पत्र होंगे। जिनमें चार लिखित एवं एक प्रायोगिक होगा। प्रत्येक प्रश्न–पत्र के 100 अंक होगें। **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

प्रथम सेमेस्टर

DP – VS – SANS – 6011 (नित्यकर्म विधि इत्यादि)

1	नित्यकर्म विधिः	प्रथम प्रश्न पत्र
	नित्यकर्म विधिः सन्ध्या + अथर्वशीर्ष गणपति स्वस्तिवाचान, देवस्तुतिः, संकल्प षोडशोपचार पूजन गणेशाम्बिका रुद्राष्टाध्यायी–प्रथम, द्वितीय अध्याय नोट– साथ में पौराणिक श्लोक भी	100 लिखित
2	पूजन विधि	द्वितीय प्रश्न पत्र
	कलश स्थापना पुण्याह वाचन पूजन से सम्बन्धित ज्ञातव्य विषय पुष्पार्पण, ग्राह्य, त्याज्य पुष्प इत्यादि का विचार नोट– साथ में पौराणिक श्लोक भी	100 लिखित
3	संस्कार परिचय	तृतीय प्रश्न पत्र
	विभिन्न संस्कारों का परिचय पाणिग्रहण संस्कार नामकरण अन्नप्राशन चूड़ाकर्म उपनयन	100 लिखित
4.	पंचांग परिचय	चतुर्थ प्रश्न पत्र
	पंचाग अवलोकन (परिचय) तिथि,वार,नक्षत्र,योग,करण,संवत्सर, अयन,ऋतु,मास,तिथि संज्ञा शुभाशुभ तिथि,वार,नक्षत्र,योग,करण, समय ज्ञान, पंचक,मूल,अग्नि,शिववास,	100 लिखित
5.	प्रायोगिक	प×चम प्रश्न पत्र

	प्रायोगिक परीक्षा	100 मौखिक

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सन्दर्भग्रंथः

- ब्रह्मनित्य कर्म समुच्चयः
- निर्णयसिंधु।
- कर्मकाण्डप्रदीप।
- पुराणोक्तकर्मदर्पणः।
- गरुडपुराणस्य परिचयः।
- श्राद्धविवकः।
- श्राद्धरत्नम्।
- त्रिकालसन्ध्या प्रयोगः।
- कर्मकौशलम्।
- संस्कार विधि।

द्वितीय सेमेस्टर

नोटः– इस परीक्षा में द्वितीय सत्र में पॉच प्रश्न–पत्र होंगे। जिनमें चार लिखित एवं एक प्रायोगिक होगा। प्रत्येक प्रश्न–पत्र के 100 अंक होगें। **प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में होगा,** किन्तु विशेष निर्देश के अभाव में प्रश्न–पत्र का उत्तर हिन्दी, संस्कृत अथवा अंग्रेजी में दिया जा सकता है।

DP – VS – SANS – 6012 (मातृका पूजन इत्यादि)

1	मातृका पूजन	प्रथम प्रश्न पत्र
	षोडश मातृका पूजन, सप्तघृतमातृका पूजन, पड्विनायकपूजन, आयुष्यमंत्रजाप, नान्दीश्राद्ध, ब्राह्मणवरण संक्षिप्त दिग्रहण पौराणिक, पंचगव्यकरण, रुद्राष्टाध्यायी तृतीय–चतुर्थ अध्याय नोट– सम्बन्धित पौराणिक श्लोक सहित	100 लिखित
2	ग्रह स्थापना	द्वितीय प्रश्न पत्र
	ग्रह स्थापना, अधिदेवता, प्रत्यधिदेवता पंच लोकपाल, वास्तु, क्षेत्रपाल, दश दिक्पाल, अग्निस्थापन, हवन से सम्बन्धित, सामान्य विधिः, बलिदान, पूर्णाहुतिः, वसोर्द्धारा संक्षिप्त, अर्पण, आशीर्वाद विसर्जन नोट– सम्बन्धित पौराणिक श्लोक भी	100 लिखित
3	अंत्येष्टि कर्मविधान	तृतीय प्रश्न पत्र
	अंत्येष्टि कर्मविधानः– अंत्येष्टि नारायणबलि अस्थिविसर्जन पिण्डदान श्राद्ध / तर्पण	100 लिखित
4	यात्रा विचार	चतुर्थ प्रश्न पत्र
	यात्रा विचार सामान्य ग्रहबल – उच्च, नीच, मूल त्रिकोण भावानुसार – ग्रहों के शुभाशुभ अवस्था मेलापक – अष्टकूट विचार मंगली विचार एवं दोष निवारण	100 लिखित
5	प्रायोगिक	पंचम प्रश्न पत्र
	प्रायोगिक	100 मौखिक

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. सभी प्रश्नों का उत्तर **संस्कृत** में देना होगा।
3. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
4. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' — **35 अंक**

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' — **45 अंक**

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

सन्दर्भग्रंथः

- ब्रह्मनित्य कर्म समुच्चयः
- निर्णयसिंधु।
- कर्मकाण्डप्रदीप।
- पुराणोक्तकर्मदर्पणः।
- गरूडपुराणस्य परिचयः।
- श्राद्धविवकः।
- श्राद्धरत्नम्।
- त्रिकालसन्ध्या प्रयोगः।
- कर्मकौशलम्।
- संस्कार विधि।